भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1678

दिनांक 03 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

.....

नमामि गंगे कार्यक्रम

1678. श्री मोहम्मद नदीमुल हक़:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नमामि गंगे कार्यक्रम के आरंभ से लेकर अब तक इसके अंतर्गत कुल कितनी निधियाँ प्रयुक्त की गई हैं;

(ख) ऐसे मल-जल उपचार संयंत्रों (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की संख्या कितनी है जो प्रचालनरत नहीं हैं;

(ग) क्या दिसंबर, 2026 तक 7,000 एमएलडी का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है; और

(घ) आज की तारीख तक मल-जल शोधन संयंत्रों की प्रचालनरत क्षमता कितनी है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): नमामि गंगे कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2014-15 में शुरू किया गया था। इसकी स्थापना के बाद से दिनांक 30 जून 2026 तक, नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत 21,339 करोड़ रुपये (कुल अप्रयुक्त अनुदानों की वापसी) की राशि संवितरित की गई है।

(ख) और (घ): जनवरी, 2026 तक गैर-प्रचालनात्मक सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) की संख्या और एसटीपी की प्रचालन क्षमता का विवरण इस प्रकार है:

क. सं.	**राज्य**	**संबंधित राज्यों में एसटीपी की प्रचालन क्षमता (एमएलडी में)**	**तत्संबंधी राज्यों में सीवेज उपचार संयंत्रों की संख्या (गैर-प्रचालनात्मक)***
1	उत्तराखंड	418	7 (12 एमएलडी)
2	उत्तर प्रदेश	4,698	9 (79 एमएलडी)
3	बिहार	492	3 (33 एमएलडी)
4	झारखंड	154	0
5	पश्चिम बंगाल	2,079	4 (57 एमएलडी)
कुल		**7,841**	**23 (181 एमएलडी)**

- मौसम के कारण बंद होने, रखरखाव कार्य आदि के कारण।

(ग): नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 6610 एमएलडी स्वीकृत किया गया है और मार्च, 2026 तक 4,260 एमएलडी प्राप्त किया गया है

*****